



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

वाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 469] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 19, 1975/कार्तिक 28, 1897

No. 469] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 19, 1975/KARTIKA 28, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th November 1975

S.O. 657(E)/IDRA/75/11.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development), No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely :—

In Schedule IV to the said notification for Item No. (7), the following item shall be substituted, namely :—

“(7) Distillation or brewing of alcoholic drinks falling under the heading, “26. FERMENTATION INDUSTRIES.”

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of alcoholic drinks shall carry on the business of such undertaking, except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government

[No. 12(187)/Lic.Pol./75]
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1975

का० आ० 657 (अ)/उ० वि० वि० अ०/75/11.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 98(अ०)/उ० वि० वि० आ०/29ब/73/1 तारीख 16 फरवरी, 1973 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 4 में, मद सं० (7) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(7) “26 किण्वन उद्योग” शीर्षक के अन्तर्गत आने वाले ऐल्कोहली पेयों का आसवन या निसवन ।”

2. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके पश्चात् ऐल्कोहली पेयों के विनिर्माण में लगे किसी औद्योगिक उपक्रम का कोई स्वामी इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अनुज्ञप्ति के अधीन और उसके अनुसरण में के सिवाय और राज्य सरकारों की दशा में केन्द्रिय सरकार की पूर्व अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसरण में के सिवाय ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा ।

[सं० 12(187)/लाइसेंस पालिसी/75]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।